साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**
वर्ष : 6 | अंक : 35 — गोंदिया : गुरुवार, दि. 9 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

इमारत से गिरने से व्यक्ति की मौत

गोंदिया-काचेवाही निवासी विनोद रघुराव सोनवाने (51) काम करते समय इमारत से गिर गया. उसे उपचार के लिए केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में लाया गया. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी डा. साक्षी मडामे की शिकायत पर शहर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

किडंगीपार प्रकरण-मुख्य आरोपी सहित 80 से 90 आंदोलनकारीयो पर मामला दर्ज गिरफ्तार आरोपियों की 3 दिन की पुलिस हिरासत

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता आमगांव)- आमगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले किडंगीपार ग्राम में चल रहे शराब बंदी आंदोलन के दौरान 6 अप्रैल को ग्रामीनो व पुलिस दल के बीच हुई पत्थर बाजी और लाठी चार्ज में मुख्य आरोपी सहित 80 से 90 आंदोलनकारीयो पर मामला दर्ज किया गया तथा गिरफ्तार तीन आरोपियों की तीन दिन की पुलिस हिरासत न्यायालय द्वारा दी गई। गौरतलब है की आमगांव तहसील के किडंगीपार की शराब दुकान को बंद करने की मांग ने विकराल रूप धारण कर लिया है। 10 अप्रैल को रेल रोको आंदोलन व सामूहिक आत्म दहन की चेतावनी के पश्चात 6 अप्रैल को आंदोलन कार्यों को गिरफ्तार करने गए पुलिस दल पर आक्रोशित आंदोलनकरियो द्वारा पत्थर बाजी की गई थी। इस संघर्ष में 6 पुलिस अधिकारी व 35 कर्मचारियों सहित अनेक ग्रामीण जख्मी हो गए थे। इस प्रकरण में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 7 अप्रैल को आमगांव न्यायालय में पेश किया गया जहां उन्हें 3 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। उल्लेखनीय है कि ग्राम के विकास व युवाओं को व्यसन से मुक्त रखने के लिए शराब बंदी आंदोलन शुरू किया गया था इस आंदोलन में मुख्य आंदोलनकारी संतोष दोनोंडे वह उनके परिवार को प्रतिबंधक करवाई धारा 168 का नोटिस देने गए पुलिस कर्मियों व परिवार के बीच विवाद हुआ जिससे आक्रोशित आंदोलनकारी द्वारा 168 कलम के नोटिस को फाड़ा गया वह पुलिस कर्मियों के साथ धक्का मुक्की कर घर से बाहर निकाला गया जिससे शासकीय कार्यों में बाधा निर्माण करने के तहत अपराध दर्ज कर 6 अप्रैल को संतोष दोनोंडे सहित उनके परिजनों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस दलबल सहित ग्राम में पहुंची जिससे

आक्रोशित ग्रामीणों व आंदोलनकारी द्वारा पुलिस पर पत्थर बाजी शुरू कर दी। जिस स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस द्वारा भी लाठी चार्ज किया गया जिसमें गंभीर रूप से जयश्री गांढ़बाधे, सुरेखा अवताडे, श्याम ब्राह्मणकर, मनीषा निकम, प्रवीण डांगे सहित अनेक कर्मचारी जख्मी हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे उप अधीक्षक अभय डोंगरे द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर विभिन्न राजनीतिक नेताओं की उपस्थिति में जमा भीड़ के साथ शांति का आवाहन कर स्थिति को नियंत्रण में लाया गया ।उपरोक्त प्रकरण में फरियादी मनीषा निकम की शिकायत पर मुख्य आरोपी संतोष दोनों ने सहित 80 से 90 आंदोलनकारी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा बी एन एस 132 221 (1), 221 (2), 352 , 189 (2), 189(3),189(4), 190 , 191 , 191 (1), 191 (2), 191 (3), 61 (2), 126 (2 के तहत मामला दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि मजदूर व किसानो की बस्ती किडंगीपार ग्राम में दारु शराब मुक्त के लिए मतदान लेने की मांग कायम है। गिरफ्तार तीन आंदोलनकारी को न्यायालय में पेश किया गया जहां उन्हें 3 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया विशेष यह है कि 10 अप्रैल को शराब दुकान बंद करने की अंतिम डेट लाइन होने के चलते पुलिस प्रशासन वह प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है

रेत का टिप्पर बना काल स्कूटी सवार महिलाओं को कुचला घटनास्थल पर मौत बेटी जख्मी आक्रोशित नागरिकों ने किया रास्ता जाम

बुलंद गोंदिया। गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले दासगांव मार्ग पर शुक्रवार 3 अप्रैल की दोपहर 11.30 से 12.00 बजे के दौरान रेत से भरे टिप्पर के चालक ने स्कूटी चालक महिला को कुचल दिया इस हादसे में कटंगी निवासी रामेश्वरी धनलाल नागपुरे 42 वर्ष की घटना स्थल पर मौत हो गई वहां उसकी बेटी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया तहसील के ग्राम कटंगी से स्कूटी से अपनी बेटी के साथ मध्य प्रदेश के ग्राम आरंभा अपनी सास के अंतिम संस्कार के लिए रामेश्वरी धनलाल नागपुरे अपनी बेटी वैष्णवी धनलाल नागपुरे के साथ जा रही थी। इसी दौरान दासगांव मार्ग पर विपरीत दिशा से आ रहे रेत से भरे टिप्पर क्रमांक एम एच 40 बीएफ 8080 के चालक द्वारा लापरवाही पूर्ण तरीके से चलाते हुए स्कूटी को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिसमें स्कूटी चालक महिला ट्रक के चक्के में आ गई तथा उसका सर बुरी तरीके से कुचल गया व उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी तथा स्कूटी में सवार उसकी बेटी वैष्णवी गंभीर रूप से जख्मी हो गई जिसे उपचार के लिए तत्काल गोंदिया के चिकित्सालय में रवाना किया गया। नागरिकों में आक्रोश घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम के नागरिकों में आक्रोश निर्माण हो गया तथा मार्ग पर पत्थर रख रास्ता जाम करने के साथ ही टायर जलाकर आक्रोश व्यक्त किया। इसी दौरान टिप्पर चालक ने भागने का प्रयास करने लगा तो नागरिकों द्वारा उसके पकड़ कर उसकी पिटाई कर पुलिस के सुपुर्द किया। रेती से भारी वाहन चालकों का आतंक दासगॉव पर नदी के घाटों से रेती का अवैध उत्खनन कर बड़े पैमाने पर परिवहन

किया जाता है जिसके चलते रेत से भारी वाहन चालकों द्वारा तेज गति से लापरवाही पूर्ण तरीके से इस मार्ग से वाहनों को प्रतिदिन चलाया जाता है जिससे दुर्घटना आए दिन घटित होते रहती है।

फांसी लगाकर मृत्यु

गोंदिया-गोरेगांव थाने के तहत सोनी निवासी महेश किशनलाल चौधरी (30) ने शराब के नशे में शादी नहीं होने के कारण को लेकर खेत परिसर में स्थित आम के पेड़ को रस्सी की मदद से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. गोरेगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

गोंदिया-आमगांव थाने के तहत बोथली निवासी आशिक राजेंद्र तावाडे (28) की किंडगीपार रेलवे चौकी के पास ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई है. आमगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

मालवीय वार्ड में ड्रोन सर्वे के बाद घर-घर सर्वे शुरू पट्टा वितरण की राह हुई आसान सपनों को मिलेगा कानूनी आसरा

बुलंद गोंदिया। वर्षों से अपने ही आशियाने में अधिकार की प्रतीक्षा कर रहे गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत मालवीय वार्ड और श्रीनगर क्षेत्र के नागरिकों के लिए अब उम्मीद की किरण स्पष्ट रूप से नजर आने लगी है। गोंदिया नगर परिषद ने अनधिकृत आबादी क्षेत्रों को वैधता देने की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए ड्रोन सर्वे के बाद घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुई यह पहल हजारों परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का नया अध्याय लिखने जा रही है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से पहले पूरे क्षेत्र का ड्रोन के माध्यम से सूक्ष्म मानचित्रण किया गया, जिससे प्रत्येक घर और भूखंड की सटीक जानकारी संकलित की जा सकी। अब इसी आधार पर अधिकारियों द्वारा प्रत्यक्ष घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया न केवल पारदर्शिता को मजबूत करेगी, बल्कि वास्तविक लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाने में भी सहायक सिद्ध होगी। अधिकारियों के अनुसार, मोज-माप की प्रक्रिया पूर्ण होते ही नागरिकों से आवेदन और आवश्यक दस्तावेज जमा कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए मालवीय स्कूल में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा, जहां वार्ड के रहवासी अपने कागजात आसानी से जमा कर सकेंगे। इस सुविधा से नागरिकों को बार-बार नगर परिषद कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, जिससे उनका समय और श्रम दोनों बचेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना को साकार रूप देने में प्रभाग क्रमांक 21 की नगरसेविका एवं नगर रचना विभाग की सभापति सौ. निर्मला दिलीप मिश्रा की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनके सतत प्रयासों और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता ने इस लंबे समय से लंबित योजना को गति प्रदान की है। स्थानीय नागरिकों में इस पहल को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि अब उन्हें अपने घरों का वैध अधिकार मिलने से न केवल सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं के द्वार भी खुलेंगे। यह पहल केवल कागजी प्रक्रिया नहीं, बल्कि उन अनगिनत परिवारों के सपनों को साकार करने का माध्यम है, जो वर्षों से अपने ही घर में अधिकार की प्रतीक्षा कर रहे थे। अब वह दिन दूर नहीं, जब इन घरों को कानूनी मान्यता का उजाला मिलेगा।

मिशन लक्ष्य के तहत डिस्ट्रिक्ट टैलेंट डेवलपमेंट सेंटर के लिए सिलेक्शन टेस्ट का आयोजन

बुलंद गोंदिया। मिशन लक्षध स्कीम डायरेक्टरेट ऑफ़ स्पोर्ट्स एंड यूथ सर्विसेज़, महाराष्ट्र स्टेट, पुणे के तहत लागू की जा रही है। मिशन लक्षध स्कीम के ज़रिए, महाराष्ट्र सरकार ओलंपिक लेवल पर खेले जाने वाले 12 स्पोर्ट्स पर फोकस करना चाहती है। इस पहल के तहत, राज्य में स्पोर्ट्स और एथलीट्स के सभी एलिमेंट्स, स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सिस्टम, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन का आयोजन, स्पोर्ट्स मेडिसिन, खिलाड़ियों के लिए प्रोत्साहन और अवॉर्ड, खिलाड़ियों के लिए रियर गाइडेंस, खिलाड़ियों की क्षमताओं के विकास के लिए घरेलू और विदेशी ऑर्गनाइज़ेशन के साथ सहयोग को डेवलप किया जाना है। यह स्कीम डिस्ट्रिक्ट-लेवल की है और स्टेट लेवल पर एक हाई परफॉर्मेंस सेंटर, डिविजनल लेवल पर एक स्पोर्ट एक्सीलेंस सेंटर और डिस्ट्रिक्ट लेवल पर एक स्पोर्ट्स टैलेंट डेवलपमेंट सेंटर लागू किया जाएगा। मिशन लक्षध स्कीम के तहत, गोंदिया डिस्ट्रिक्ट में स्पोर्ट्स टैलेंट डेवलपमेंट सेंटर्स के ज़रिए 02 स्पोर्ट्स, यानी फील्ड और टेबल टेनिस, में से हर एक से 20 प्लेयर्स चुने जाएंगे। डिस्ट्रिक्ट लेवल पर स्पोर्ट्स टैलेंट डेवलपमेंट सेंटर्स के ज़रिए फील्ड और टेबल टेनिस के लिए सिलेक्शन टेस्ट आयोजित करने का प्रस्ताव है। ये सेंटर राज्य के काबिल और अच्छे खिलाड़ियों को संबंधित खेलों में एडवांस ट्रेनिंग देने के मकसद से शुरू किए जा रहे हैं। एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया- खिलाड़ी की उम्र उस साल 31 दिसंबर को लड़के/लड़कियों के लिए 21 साल होनी चाहिए। एप्लीकेशन के साथ ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे बर्थ सर्टिफिकेट, स्कूल छोड़ने का सर्टिफिकेट, मेडिकल जांच, सरकार से मान्यता प्राप्त डॉक्टर से जारी वैलिड मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, डोमिसाइल सर्टिफिकेट, आधार कार्ड, पिछले दो साल का स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस सर्टिफिकेट, तीन पासपोर्ट साइज फोटो, स्कूल-कॉलेज का बोनाफाइड सर्टिफिकेट, माता-पिता का सहमति पत्र वगैरह होना चाहिए। खिलाड़ी महाराष्ट्र राज्य का निवासी होना चाहिए। स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन में मिनिमम परफॉर्मेंस स्टेट लेवल या मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों, (स्कूल/ऑर्गनाइजेशन ऑफिशियल कॉम्पिटिशन) में हिस्सा लेना होगा और पिछले दो साल के स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस को इवैल्यूएट किया जाएगा और स्पोर्ट्स स्किल्स और फिटनेस टेस्ट के लिए क्वालिफाई करना ज़रूरी होगा। ऊपर दिए गए क्राइटेरिया को पूरा करने वाले खिलाड़ियों को एक एक्सपर्ट कमेटी चुनेगी और यह प्रोसेस नॉन-रेसिडेंट होगा। इस स्कीम के तहत उनका सप्लीमेंट्री खाना, यूनिफॉर्म, स्पोर्ट्स का सामान, नेशनल और फॉरेन कॉम्पिटिशन में जाने का खर्च, कोच/गाइड, मेडिकल ट्रीटमेंट इंश्योरेंस और पूरी ट्रेनिंग का खर्च उठाया जाएगा। सिलेक्शन टेस्ट ऑर्गनाइजिंग कमिटी को स्पोर्ट्स ऑफिसर गोंदिया अभय महल्ले Md. 9850424525 हेड करेंगे। डिस्ट्रिक्ट लेवल सिलेक्शन टेस्ट का शेड्यूल इस तरह है। यह 8 से 10 अप्रैल 2026 तक हो रहा है और फील्ड गेम्स 8 अप्रैल को डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स गोंदिया में होंगे और फील्ड गेम के ऑर्गेनाइजर कृष्णा बहेकर रूत्र. 7722066847 हैं, टेबल टेनिस गेम 9 अप्रैल को डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स गोंदिया में होगा और इस गेम के ऑर्गेनाइजर प्रकाश जस्सानी Md. 9823110792 हैं। प्लेयर को सुबह 8 बजे बताई गई जगह पर मौजूद रहना होगा। लेकिन, योग्य खिलाड़ियों को 6 अप्रैल 2026 तक डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर के ऑफिस, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मरारटोली रोड, गोंदिया में ऑफिस टाइम में तय फॉर्मेट में पूरी जानकारी के साथ अपनी एप्लीकेशन ऑफलाइन जमा करनी होगी। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर भोजराज चौधरी ने ज़्यादा से ज़्यादा खिलाड़ियों से अपील की है कि वे इस डिस्ट्रिक्ट लेवल सिलेक्शन टेस्ट में हिस्सा लें।

हर्षल युवासेना उप जिला प्रमुख नियुक्त

आमगांव-शिवसेना युवा सेना गोंदिया जिले की ओर से आयोजित कार्यक्रम में युवा सेना उपजिला प्रमुख पद का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया. जिला प्रमुख अर्जुनसिंह बैस की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. पूर्व विधायक व शिवसेना महाराष्ट्र राज्य आदिवासी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सहेषराम कोरोटे की प्रमुख उपस्थिति में नियुक्ति पत्र दिया गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्षल विश्वनाथ मानकर को गोंदिया जिले में युवा सेना उपजिला प्रमुख नियुक्त किया गया है. पत्र में कहा गया है कि शिवसेना प्रमुख के विचारों को आगे बढ़ाते हुए संगठन को और मजबूत करने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है. इस अवसर पर गणमान्यों ने नए पदाधिकारियों को बधाई दी और उनसे आने वाले दिनों में और अधिक जोश के साथ संगठनात्मक कार्य करने की अपील की.

धान बिक्री के लिए ऑनलाइन किसानो का पंजीयनशुरू

बुलंद गोंदिया। सरकार की ओर से निर्देश मिले हैं कि रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 में धान बेचने के लिए सरकार की बेसिक प्राइस परचेज स्कीम के तहत 1 से 30 अप्रैल 2026 तक किसानों को सरकार के ऑफिशियल BEAM पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्टर करना होगा। इसके मुताबिक, जिले के सभी धान उगाने वाले किसान ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे - ऑनलाइन 7/12 एक्सट्रैक्ट और रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 की फसल बुआई का रिकॉर्ड वाला फॉर्म 8, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर, अगर कलेक्टिव 7/12 एक्सट्रैक्ट है, तो एक्सट्रैक्ट पर दूसरे लोगों का सहमति पत्र और आधार कार्ड वगैरह लेकर तालुका के सबसे पास के सरकारी धान खरीद सेंटर पर जाएं और सरकार द्वारा दी गई समय-सीमा यानी 30 अप्रैल 2026 तक सबसे पास के सरकारी धान खरीद सेंटर पर धान बेचने के लिए ऑनलाइन किसान नाम रजिस्ट्रेशन पूरा करें। डिस्ट्रिक्ट मार्केटिंग ऑफिसर वी.एस. इंगले ने ज़्यादा से ज़्यादा किसानों से सरकार की धान खरीद योजना का फ़ायदा उठाने की अपील की है।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के अवसर पर सामाजिक समता सप्ताह में विविध कार्यक्रम

बुलंद गोंदिया। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरकी जयंती के मौके पर हर साल 14 अप्रैल को अलग-अलग प्रोग्राम मनाए जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने इस साल भी 8 अप्रैल से 14 अप्रैल, 2026 तक 'सोशल इक्वालिटी वीक' मनाने का फैसला किया है और गोंदिया जिले में अलग-अलग एक्टिविटीज़ की जाएंगी। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने भारत के संविधान के ज़रिए आज़ादी, बराबरी और भाईचारे के मूल्यों को फैलाकर समाज में एकता बनाने का काम किया। संविधान के आर्टिकल 46 में साफ़ तौर पर कहा गया है कि राज्य समाज के कमज़ोर तबकों, खासकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की पढ़ाई-लिखाई और आर्थिक तरक्की के लिए खास कोशिशें करेगा, और उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से भी बचाएगा। इन सिद्धांतों के मुताबिक, राज्य सरकार अलग-अलग भलाई की स्कीमें चला रही है और आम लोगों तक पहुंचने और जागरूकता पैदा करने के मकसद से 'सोशल इक्वालिटी वीक' मनाया जा रहा है। इस हफ्ते प्रेस कॉन्फ्रेंस, लेक्चर, छोटे ड्रामा कॉम्पिटिशन, पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन, ब्लड डोनेशन कैंप, भाषण और निबंध कॉम्पिटिशन, स्कीम पर वर्कशॉप, संविधान अवेयरनेस और दूसरी सोशल एक्टिविटीज़ ऑर्गनाइज़ की जाएंगी। सहाय्यक आयुक्त समाज कल्याण किशोर भोयर ने ज़िले के लोगों से इस सोशल इक्वालिटी वीक में एक्टिवली हिस्सा लेने की अपील की है।

संपादकिय...

किसने कितना मुंह मोड़ा

आर्थिक संकट हमें जो सिखाता है, उसे हम सामान्य परिस्थितियों में नहीं सीख पाते, इसलिए रास्ते वे मजबूत होते हैं, जहां मिट्टी को पत्थर बनाया जाता है। आर्थिक संकट की कोख से अगर सख्त फैसले जन्म लेंगे, तो यह तेरी हस्ती का पैमाना होगा, वरना टूट कर तो बेशकीमती मोती भी बिखर जाते हैं। अपने बिखरे मोतियों को समेटने का प्रयास हिमाचल के एहसास में परखा जा रहा है, तो सोचना यह भी होगा कि देर सबेर सरकारों को अपना चरित्र बदलना होगा। समझा यह जा रहा है कि मंत्रियों-विधायकों के पे बिल से कुछ खींचने के बाद, कडक़ फैसलों से भविष्य सींचने की कोशिश जारी है। इसी संदर्भ में हिमाचल में अधिकारियों-कर्मचारियों के सेवा विस्तार पर रोक लगा दी या पुनर्नियुक्ति के सफर रोक दिए गए। हालांकि एक्सटेंशन या री-इंप्लॉयमेंट और री-एंगेजमेंट के माध्यम से रेवडिय़ां खूब बंटीं, लेकिन अब ऐसे फैसलों की कलम को पसीना आने लगा है। सरकारी बागीचे में आई पतझड़ ने, उजाड़ दिए भंवरों के दिन और महीने। फैसले ने पूर्व में मिला सेवा विस्तार अभी उखाड़ा नहीं, फिर भी तय समय के बाद यह तिलिस्म भी ढह जाएगा। दरअसल हिमाचल में हर सरकार ने अपने लिए तिलिस्म के महल बनाए, लेकिन हर अजूबा पहले भारी पड़ रहा है। ये जो शिमला की गलियां हैं, यह शासकों को सुनने नहीं देती, ये जो नगाड़े स्वागत में बजते हैं, ये कानों को बिलकुल कच्चा कर देते हैं, इसलिए सीनियर अधिकारियों की नस्ली परंपराए हिमाचल को अपनी अंगुलियों पर नचाती हैं। असली नौकरी तो नौकरी की अवधि खत्म होने पर है। इन घुंघरुओं को खामोश रहने को तहजीब सिखा दी, वरना कभी दीवारों के भी कान होते थे। दूसरी ओर सरकारी नौकरी के अनुभव में पले पारितोषिक कहां आज तक सरकारों को अपनी चार दीवारी से बाहर निकलने देते। फाइलें सचिवालय की खामोशी में हुड़दंग मचाती हैं और सत्ता की मजबूरियां शहादत के भंवर में लहूलुहान हो जातीं। बहरहाल आर्थिक कसौटियों की समीक्षा में हिमाचल के फैसलों की समीक्षा भी हो रही है, तो सोचना यह पड़ेगा कि वे कौन से बटेर थे, जिन्होंने पूरा खेत उजाड़ा। जाहिर है सरकारी नौकरी के महंगे शौक खजाने पर भारी पड़े हैं। चुनाव की दहलीज मापती आज तक की सरकारों ने खजाने को कत्लगाह न बनाया होता, तो उधार की छलांगों में टांगें न टूटतीं। अब अगर नौकरी का सेवा विस्तार रुका, तो यह कौन बताएगा कि ऐसी कौन सी पद्धति या फरमाइश थी, जिसने चंद अधिकारियों-कर्मचारियों को पलकों पर बैठाए यह एहसास ही होने नहीं दिया कि सरकार ने उनसे कभी मुंह मोड़ा। कर्मचारियों-अधिकारियों की साख बनने की कोशिश ने हिमाचल को हमेशा पछाड़ा है। ये जो सत्ता के कार्यकाल के अंतिम दो वर्ष होते हैं, ये खजाने को गुमनाम कर देते हैं। आज तक कौन संतुष्ट हुआ। क्या जिसे पिछली सरकार ने मुफ्त में बिजली दी या महिला यात्रियों को एचआरटीसी की बस सेवा में छूट दी, वे सत्ता के भक्त हो गए। ढेरों घोषणाओं के चंद सिक्के उछले जरूर हैं, लेकिन हिमाचल में रंग बदलते चुनावी मौसम में कोई किसी का सगा नहीं। जिस दिन सरकारें शिमला के दरबार से दूर पांगी, किन्नौर या शिलाई में कर्मचारियों की वफादारी देखेंगी, सुशासन का मयार बदल जाएगा। जिस दिन राजनीति केवल जन अभिलाषा का सूचकांक नहीं देखेगी, सामाजिक सरोकार बदल जाएंगे।

पुनर्निर्माण की मांग तेज, जलस्रोत के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण दिवतीसुर तालाब बन सकता है वरदान

सालेकसा-दर्रेकसा परिसर में स्थित दिवतीसुर तालाब को पुनर्जीवित करने की मांग अब जोर पकड़ रही है. यह तालाब वर्ष 1974 में निर्मित किया गया था और लगभग 12 से 13 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है. घने जंगलों और पहाड़ी क्षेत्र में स्थित यह तालाब स्थानीय जलस्रोत के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है. वर्ष 2006 में अधिक बारिश के कारण तालाब की पाल टूट गई थी, जिससे तालाब को भारी नुकसान हुआ. अब तक इस तालाब की मरम्मत या पुनर्निर्माण की ओर शासन का अपेक्षित ध्यान नहीं गया है, जिससे यह तालाब धीरे-धीरे अस्तित्व खोता जा रहा है. इस क्षेत्र में सिंचाई की समुचित व्यवस्था न होने के कारण आदिवासी बहुल गांवों के किसान आज भी बारिश पर निर्भर हैं. आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है. यदि दिवतीसुर तालाब का पुनर्निर्माण किया जाता है, तो इससे बेवरटोला सिंचाई प्रकल्प को अतिरिक्त पानी का भंडार मिल सकता है, जिससे आसपास के गांव टोयागोंदी, चांदसुरज, विचारपुर, गोपालगढ़, जमाकूड़ो, दल्लाटोला आदि के किसानों को सिंचाई का लाभ मिल सकेगा. क्षेत्र का समग्र विकास संभव तालाब के पुनर्जीवन से क्षेत्र में खरीफ और रबी दोनों फसलों को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा. यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो किसानों में असमंजस और चिंता की स्थिति बनी रहेगी.

कृउबास में हनुमान जन्मोत्सव की धूम श्री बजरंग एकता संगठन का आयोजन

गोंदिया-थोक सब्जी व्यापारी संघ के तत्वावधान में श्री बजरंग एकता सगठन के द्वारा कृषि उत्पन्न बाजार समिति के प्रांगण मे सुंदरकाण्ड प्रभु हनुमानजी का जन्मोत्सव पंडित आचार्य द्वारा पूजा अर्चना कर जन्मोत्सव मनाया गया. जिसमें प्रमुख रूप से सभापति भाऊराव उके, संचालक सुरेश अग्रवाल, थोक सब्जी संघ के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, संचालक पंकज यादव, संचालक धनलाल ठाकरे, संचालक सुमित भालुटिया, उपसभापति राजकुमार पटले, संचालक जितेश टेंभरे, आढ़तिया व्यापारी संघ के अध्यक्ष आनंद बरडिया, अशोक अग्रवाल, मनोज डोहरे, संतोष कपूरवानी, राजा शर्मा, लक्ष्मीचंद आहूजा, रवि आहूजा, लालू कावड़े, गणेश भूते, मनोज दुर्गानी, सुरेश चौधरी, सुरेश जिवंजा, मोहित शुक्ला, विजय नागदेवानी, संदीप डोहरे, पीतांबर मुरकूटे, सचिव सचिन बढ़वाईक, हरीश तिवारी, विजय चौधरी, किरण बावनथड़े, संतोष तिरोले, गोपाल शर्मा, राकेश शुक्ला, राजेश द्विवेदी, रवि चौधरी, कुवरलाल चौधरी उपस्थित थे. सभी ने पूजा अर्चना कर महाप्रसाद का लाभ उठाया.

बच्चों को नशे की आदतों से दूर रखना बेहद जरूरी बाबा जुमदेवजी की जयंती पर मेश्राम ने किया आह्वान

भंडारा-परमपूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल सिरसघाट के तत्वावधान में महान त्यागी बाबा जुमदेवजी की 105वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्तिक स्वामी मेश्राम ने की, जबकि उपाध्यक्ष के रूप में रेखा मानकर उपस्थित रहीं. प्रमुख अतिथियों में सरपंच पुष्पा मेश्राम, विवादमुक्त समिति अध्यक्ष जयदेव भुरे, शालीक भुरे, दुलीचंद कंगाले, पुलिस पाटिल प्रतिभा भुरे तथा हरिचंद बाभरे शामिल थे. कार्यक्रम की शुरुआत भगवान हनुमानजी एवं बाबा जुमदेवजी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण व पूजन से हुई. इसके बाद बाबा जुमदेवजी अमर रहें के नारों के साथ गांव में रैली निकाली गई. अध्यक्षीय भाषण में कार्तिक स्वामी मेश्राम ने बच्चों को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि तंबाकू, खर्रा, गुटखा, खैनी और शराब जैसी लतों से बच्चों को बचाना अत्यंत आवश्यक है साथ ही अभिभावकों से बच्चों को अच्छे संस्कार देने और बड़ों का सम्मान सिखाने के लिए संस्कार शाला में भेजने की अपील की.

स्वागत गीत और लेजिम नृत्य की प्रस्तुति

इस अवसर पर रेखा मानकर, सरपंच पुष्पा मेश्राम, शालीक भुरे, जयदेव भुरे और दुलीचंद कंगाले ने भी मानव धर्म और नैतिक मूल्यों पर मार्गदर्शन किया. कार्यक्रम में सेविकाओं द्वारा स्वागत गीत और लेझिम नृत्य प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम का संचालन आकाश मेश्राम एवं आभार अजय बागडे ने माना. कार्यक्रम की सफलता के लिए आकाश मानकर, सचिन मेश्राम, रोहित मेश्राम, प्रकाश भुरे, मनोज भुरे, योगेश मेश्राम, शुभम मानकर, प्रताप मानकर, निसार ठाकरे और सतीश मेश्राम सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया

9-9 फेरों के लिए साप्ताहिक ट्रेन का परिचालन हटिया-LLT के बीच समर स्पेशल ट्रेन

गोंदिया-ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हटिया-एलटीटी-हटिया के बीच 9-9 फेरों के लिए साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है. ट्रेन क्र. 08609 हटिया-एलटीटी साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन हटिया से 20 अप्रैल से 15 जून तक (9 फेरा) प्रत्येक सोमवार को चलेगी. इसी प्रकार ट्रेन क्र. 08610 एलटीटी-हटिया साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन एलटीटी से 22 अप्रैल से 17 जून (9 फेरा) प्रत्येक बुधवार को चलेगी. इस ट्रेन का वाणिज्यिक स्टापेज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग व गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है. ट्रेन क्र. 08609 हटिया-एलटीटी साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन हटिया से प्रत्येक सोमवार को 16.20 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन गोंदिया आगमन 5.48 बजे व प्रस्थान 5.50 बजे होगी और 00.40 बजे एलटीटी स्टेशन पहुंचेगी. इसी प्रकार ट्रेन क्र. 08610 एलटीटी-हटिया साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन एलटीटी से प्रत्येक बुधवार को 5 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन गोंदिया आगमन 3.08 बजे व प्रस्थान 3.10 बजे होगी और 18 बजे हटिया स्टेशन पहुंचेगी. इस ट्रेन में 01 पावर कार, 01 एसएलआरडी, 04 जनरल, 06 स्लीपर, 07 एसी-, 02 एसी-01 एसी फर्स्ट कम टू सहित कुल 22 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी.

सड़कों पर खड़े किए जा रहे ट्रक अवैध ट्रक पार्किंग से नागरिकों का जीवन खतरे में

देवरी-देवरी शहर में अवैध ट्रक पार्किंग के कारण नागरिकों का जीवन खतरे में पड़ गया है. राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रकों के कारण वाहनों की दृश्यता बाधित हो रही है, जिससे स्कूली छात्रों, महिलाओं और नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. प्रशासन की निर्षक्रयता चिंता बढ़ा रही है. राज्य में पिछले 6 महीनों में दुर्घटनाएं 25 प्रश. और मौतें 28 प्रश. बढ़ी हैं. ऐसे समय में अवैध ट्रक पार्किंग के कारण नागरिकों का जीवन खतरे में है, लेकिन प्रशासन अभी भी निर्षक्रय है. राज्य के अंतिम छोर पर स्थित देवरी शहर से होकर राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 6 मुंबई से कोलकाता जाता है और आरटीओ चेक पोस्ट होने के कारण भारी मात्रा में वाहनों की आवाजाही रहती है. मुख्य बाजार, स्कूल, कॉलेज और शिक्षा के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र, मजदूर, कामगार और आम नागरिक शहर में आते हैं. शहर के बीचों-बीच से गुजरने वाले राजमार्ग पर अवैध रूप से पार्क किए गए ट्रक और भारी वाहनों के कारण राजमार्ग पर आने-जाने वाले वाहन दिखाई नहीं देते

अपनी सुरक्षा खुद करना एकमात्र उपाय

ग्रामीण क्षेत्रों के लोग तहसील मुख्यालय पर कृषि संबंधी सामग्री और रोजमर्रा की जरूरी चीजें खरीदने के लिए देवरी की बाजार में आते हैं. इसके साथ ही, हाईवे पर भी भीड़ बढ़ गई है और लापरवाही से सड़क पर ट्रक और भारी वाहन खड़े किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ती है. बैंक, पोस्ट ऑफिस, तहसील कार्यालय हाईवे पर होने के कारण यहां हमेशा भारी भीड़ रहती है. इसलिए भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं से जान बचाने के लिए अपनी सुरक्षा खुद करना ही एकमात्र उपाय बचा है. सार्वजनिक निर्माण विभाग इसकी जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर रहा है.

मटन मार्केट से स्वास्थ्य को खतरा ककोड़ी के बाजार परिसर में लगातार बढ़ रही गंदगी और बदबू

देवरी-ककोड़ी में हर मंगलवार को साप्ताहिक बाजार लगता है, जिसमें संबंधित बाजार ठेकेदार ककोड़ी गांव के रिहायशी क्षेत्र में ककोड़ी-उचेपुर रोड पर मटन मार्केट लगाता है, जिससे परिसर के लोगों के साथ-साथ उस रोड पर आने-जाने वाले लोगों का स्वास्थ्य खमरें आ गया है. इसलिए, परिसर के लोगों ने मांग की है कि उक्त मटन मार्केट को गांव से बाहर लगाया जाए. देवरी तहसील का तीसरा सबसे बड़ा साप्ताहिक बाजार ककोड़ी गांव में लगता है. यह बाजार मंगलवार को ककोड़ी गांव के मुख्य मार्ग ककोड़ी-उचेपुर पर लगता है. मटन मार्केट गांव के बीच में है और इस परिसर में हमेशा गंदगी और बदबू का आलम रहता है, जिसकी वजह से हर जगह बदबू फैल गई है. जिस परिसर में मटन मार्केट है, वहां बड़ी आबादी रहती है. क्योंकि मटन मार्केट से मीट के टूकड़े व अन्य वस्तु उसी परिसर में फेंकी जा रही है, इसलिए इस परिसर के लोगों की सेहत को बड़ा खतरा है. इस मटन मार्केट की गंदगी और बदबू की वजह से परिसर के लोगों और ककोड़ी उचेपुर रोड से आने-जाने वाले लोगों को नाक पर रूमाल रखकर सफर करना पड़ता है. जिसकी वजह से परिसर के दुकानदार, यहां आने वाले ग्राहक और यहां आने जाने वाले लोग परेशान हो गए हैं. नागरिकों ने मांग की हैं कि मटन मार्केट को ककोड़ी-उचेपुर रोड से हटाकर गांव के बाहर दूसरी जगह पर स्थानांतरित किया जाए.

शिकायत की अनदेखी

ककोड़ी-उचेपुर रोड पर मटन मार्केट की लगातार असहनीय बदबू से हो रही परेशानी के कारण परिसर के नागरिक यशवंत वालदे, रवि इंगले, रामेश्वर मिरी, राजू गंगाकचुर, ममता बैस, मनीष जैन, रानी बैस, सोनू इंगले, अनूप ठाठमुरा, लक्ष्मण शाहू व अन्य नागरिकों ने स्थानीय ग्रापं, स्वास्थ्य विभाग, चिचगढ़ थाना, संबंधित बाजार के ठेकेदार और जिप गोंदिया को लिखित शिकायत दी है. शिकायत दर्ज करने के महीनों बाद भी, शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि स्थानीय सरपंच, स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभागों को नागरिकों द्वारा की गई शिकायतों को नजरअंदाज किया गया है और उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है.

पटेल ने कार्यकर्ताओं से भेंट कर समस्याएं सुनी समस्याओं को किया जाएगा हल

तिरोड़ा-पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल ने तुमसर के चांदपुर हनुमान देवस्थान में भेट दी. वहां से गोंदिया जाते समय तिरोड़ा के पुराने साथी गोविंदराव रेंभे के यहां पहुंचे जहां कुछ दिन पूर्व हुए रेंभे की पत्नी के निधन पर सांत्वना दी. वहीं स्थानीय पूज्य सिंधी धर्मशाला में कार्यकर्ताओं से भी भेट की. कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र की समस्या सुनी, निवेदन स्वीकार किया व अपने संबोधन में बताया कि यह छोटी से भेंट थी, जो भी समस्याओं को आपने मेरे सामने रखा उन सब पर संबंधितों से सुलझाने का पूर्णत: प्रयास रहेगा. इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, देवेंद्रनाथ चौबे, अजय गौर, राजेश गुणेरिया, किरण पारधी, जगदीश बावनथडे, प्रेमकुमार रहांगडाले, जिब्राइल खां पठान, रामकुमार असाटी, ममता बैस, डा. कुमुद मेश्राम, विजय बंसोड, कादर मंसुरी, आशा भोंडेकर, रश्मी बुराडे, मनिषा येरपुडे, प्रभु असाटी, ममता धामेचा, लता पुडके, छाया कटरे, राखी गुणेरिया के साथ ही अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे. संचालन व आभार डा. अविनाश जायस्वाल ने माना.

5.35 लाख रु. का माल बरामद, लाखनी में गोवंश तस्करी पकड़ी

भंडारा-लाखनी पुलिस ने एक बोलेरो पिकअप वाहन को रोककर उसमें ठूंस-ठूंस कर भरे गए चार गोवंशों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया. पुलिस सूत्रों के अनुसार लाखनी स्थित के. के. लॉन के सामने नाकाबंदी के दौरान एक सफेद रंग की बोलेरो पिकअप (क्र. एमएच-36 एए-1469) को संदेहास्पद स्थिति में रोका गया. तलाशी लेने पर वाहन के भीतर 3 बैल और बछड़े को बेहद निर्दयतापूर्वक रस्सियों से बांधकर ठूंसकर भरा गया था. जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इन बेजुबान जानवरों को कत्ल करने के उद्देश्य से बिना किसी वैध पास या परमिट के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था. पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन और गोवंश सहित कुल 5,35,000 रुपये का माल जब्त कर लिया. इस मामले में आरोपी वाहन चालक मानेगांव (बाजार) निवासी अनमोल रिमदेव बोदेले (30) को हिरासत में लिया गया है. लाखनी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है. मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक संगीता गावडे कर रही है. मुक्त कराए गए गोवंशों को सुरक्षित गौशाला भेज दिया गया है

बसस्थानक में पीने के पानी का अभाव

तुमसर-स्थानीय बसस्थानक में पिने पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों को बाहर दुकानों में जाकर पानी पिना पड़ता है, ऐसे दुकानदारों द्वारा उन्हें खरीखोटी सुनाई जाती है. शहर के सामाजिक व राजनीतिक लोगों द्वारा भेट की गई ठंडे पानी की मशीन अनेक दिनों से बंद है, लेकिन उसे शुरु करने की दिशा स्थानक प्रमुख द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है. वर्तमान में दिन-ब-दिन यात्रियों की भीड़ भी बढ़ते जा रही है ऐसे में स्थानक पर पिने के पानी की सुविधा नहीं होने से लोगों को भटकना पड़ता है. लोगों की मांग को मद्देनजर रख खापाटोली परिसर के पूर्व नगरसेवक राजू गायधने द्वारा स्वय के खर्च से बसस्थानक के भीतर ठंडे पानी की मशीन लगवा दी गई थी. इससे यात्रियों के साथ अन्य लोगों को राहत हुई थी. कुछ दिनों तक मशीन शुरु थी, लेकिन बंद होने के बाद इसे शुरु करने की कार्रवाई नहीं की गई हैं. अभी दिन-ब-दिन गर्मी बढ़ते जा रही है, ऐसे में यात्रियों को पानी की अधिक आवश्यकता पड़ती है. इस कारण बसस्थानक प्रशासन द्वारा तत्काल बंद पड़ी ठंडे पानी की मशीन शुरु कर यात्रियों को राहत दिलाने की मांग की गई हैं.

छोटी सी जिंदगी है बड़ी अनमोल
खूबसूरत जिंदगी में ना तू कड़वाहट घोल
खुशी हो या गम हो इसका ना रहता
डेरा है उम्मीद की नई किरणों के साथ
होता नया सवेरा है सत्कर्म तू करते चल
वाणी में मिठास है घोल बिगड़े काम बन जाएंगे
बाकी सब ईश्वर पर छोड़ संघर्षों से भरा है जीवन
तकलीफें आनी जानी है मुस्कुराकर पार तु कर ले
दो पल की जिंदगानी है।
क्या ले जाना है हमको और क्या लेकर आए हैं
मनुष्य तन हमने बड़े सौभाग्य से पाए हैं
ना कोई अपना ना पराया ना कोई तेरा मेरा है
प्रभु को अपने मन में बिठा ले यही वक्त सुनहरा है
नेक राह पर चलना तुझको न रुकना ना थकना है
तुझको गिराने कई आएंगे पर तुझको स्वयं संभलना है।
मन में रख विश्वास सदा तू वक्त सदा बदलता हैं
कर्म शील व्यक्ति ही जीवन में अपने भाग्य बदलता है।

शिल्पा दुबे
गोंदिया महाराष्ट्र

200 जवानों की फौज उतरी पिटेझरी जंगल में चकमा दे रही बाधिन, शार्प शूटर्स भी हुए नाकाम

भंडारा-नवेगांव-नागझिरा के पिटेझरी जंगल में घायल बाघिन टी-27 का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है. पिछले 15 दिनों में तीन हमलों से दहशत फैली हुई है, वहीं 200 से ज्यादा जवान और शार्प शूटर्स भी उसे पकड़ने में अब तक नाकाम रहे हैं. घायल बाघिन ने पिछले पखवाड़े में जो कोहराम मचाया है, उसने प्रशासन की नींद उड़ा दी है और ग्रामीणों के दिलों में दहशत का ऐसा बीज बोया है कि लोग अपने ही खेतों में जाने से कतरा रहे हैं. पिटेझरी के जंगल से सटे गांवों में पिछले पंद्रह दिनों का घटनाक्रम किसी डरावनी फिल्म के दृश्य जैसा रहा है. इस खूनी सिलसिले की शुरुआत 19 मार्च को हुई जब वसंत मेश्राम बाधिन का पहला शिकार बने. फिर 28 मार्च को माया सोनवाने पर बाघिन ने प्राणघातक हमला कर दिया, जिनकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई. इसके बाद 1 अप्रैल को छाया मुंगमोडे पर बाघिन ने हमला किया. छाया फिलहाल नागपुर के अस्पताल में जीवन और मौत के बीच जंग लड़ रही हैं. इन तीन घटनाओं ने ग्रामीण अंचलों में सन्नाटा पसरा दिया है. बाघिन को पकड़ने के लिए वन विभाग के प्रयास तेज हो गए है. करीब 200 वन कर्मचारियों का दल, विशेष एसटीपीएफ यूनिट और 4 अनुभवी शार्प शूटर्स जंगल के चप्पे-चप्पे पर हैं. जंगल में 50 से अधिक कैमरा ट्रैप और 10 लाइव कैमरे लगाए गए हैं ताकि बाघिन की हर हरकत पर नजर रखी जा सके. रात के अंधेरे में उसकी सटीक लोकेशन जानने के लिए 4 थर्मल ड्रोन की मदद ली जा रही है. पिटेझरी के कक्ष क्रमांक 143 को मुख्य केंद्र बनाकर वहां बाघिन को आकर्षित करने के लिए चारे के साथ मचान भी तैयार की गई है, लेकिन यह घायल बाघिन अपनी चालाकी से हर जाल को काटती हुई सुरक्षाबलों को लगातार गुमराह कर रही है. महिला वनरक्षकों ने दिखाया अद्भुत साहस इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में वन विभाग की महिला वनरक्षकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया है. ये जांबाज महिलाएं सीधे घने जंगलों में उतरकर न केवल बाघिन की तलाश कर रही हैं, बल्कि उमरझरी, आतेगांव, घानोड, शिवनटोला, आमगांव, खैरी और बांपेवाडा जैसे संवेदनशील गांवों में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक भी कर रही हैं. महुआ चुनने वाले ग्रामीणों को सुरक्षा के लिए विशेष मानवीय मुखौटे वितरित किए गए हैं. ग्रामीणों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे किसी भी स्थिति में अकेले जंगल की ओर रुख न करें.

खेतों में फसल तैयार, जान का खतरा बरकरार

वर्तमान में क्षेत्र में मोके की कटाई में सुनहरी फसल तैयार खड़ी है, लेकिन जान का जोखिम इतना बड़ा है कि मजदूर और ग्रामीण महिलाएं खेतों में कदम रखने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं. किसानों को डर है कि अगर समय पर कटाई नहीं हुई तो उनकी साल भर की मेहनत बर्बाद हो जाएगी.

प्रशासन की अग्निपरीक्षा

इस संकट के बीच एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव किया गया है. 1 अप्रैल से नवेगांव-नागझिरा क्षेत्र में एकल नियंत्रण प्रणाली को लागू कर दिया गया. नए नियम के तहत अब बफर जोन का पूरा प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी जिम्मा सीधे व्याघ्र परियोजना को मिल गया है. इस व्यवस्था का मुख्य लक्ष्य मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना करना है, लेकिन कार्यभार संभालते ही टी-27 बाधिन की ओर से खड़ा किया गया यह संकट नए प्रशासन के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है

सभामंडप निर्माणकार्य सवालों के घेरे में ग्रामीणों का रोष, स्थानिक पदाधिकारी ही ठेकेदारी में शामिल

गोरेगांव-तहसील के ग्राम बोटे में इन दिनों सभा मंडप निर्माण कार्य चर्चाओं में बना हुआ है. पिछले कुछ महीनों में दो सभा मंडपों का निर्माण किया गया है. इनमें से एक सभा मंडप स्थानीय विधायक विकास निधि से माता मंदिर के पास तैयार किया गया है, जबकि दूसरा सभा मंडप 25/15 योजना के तहत तालाब किनारे अधूरा पड़ा है. उल्लेखनीय है कि गांव में चल रहे अधिकांश निर्माण कार्य स्थानीय पदाधिकारियों के माध्यम से किए जा रहे हैं. साथ ही इन कार्यों में नियोजन की कमी देखने को मिल रही है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. जानकारी के अनुसार, ग्राम बोटे में 25/15 लोक निधि के तहत जिला परिषद बांधकाम विभाग की देखरेख में सभा मंडप का निर्माण कार्य बेहद घटिया तरीके से किया जा रहा है. यह सभा मंडप लगभग 5 लाख रु. की लागत से बनाया जा रहा है और पिछले एक वर्ष से इसका निर्माण कार्य जारी है. निर्माण कार्य में अनदेखी इस कदर बढ़ गई है कि सभा मंडप के एक हिस्से का लिंटर बीम टेढ़ा हो गया है. वहीं, निर्माण में आवश्यक पानी क्यूरिंग भी नहीं की जा रही है. इसी प्रकार माता माय मंदिर के पास विधायक विजय रहांगडाले की स्थानीय विकास निधि से बनाए गए सभा मंडप पर भी लगभग 5 लाख रु. खर्च किए गए हैं, लेकिन इस निर्माण को लेकर भी ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं. दोनों ही निर्माण कार्य जिला परिषद बांधकाम विभाग की देखरेख में किए गए हैं, जिससे संबंधित विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है. साथ ही यह भी चर्चा है कि स्थानीय पदाधिकारी ही ठेकेदारी कर रहे हैं, जिसके कारण निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है.

जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बोटे में दो सभा मंडप स्वीकृत हैं, जिनमें से एक का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि दूसरा निधि के अभाव में अधूरा है. संबंधित ठेकेदार को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं.

- महेंद्र खोब्रागडे, अभियंता, जिप गोंदिया

गर्मी में बेजुबान पक्षियों को राहत

अर्जुनी मोरगांव-तेज गर्मी से प्रभावित माहौल में दुर्गा चौक गणेश मंडल ने इंसानों और बेजुबान पक्षियों, दोनों के बारे में सोचते हुए एक अच्छी पहल की. पेड़ों की छांव में पानी और चारे का इंतजाम करके पक्षियों को राहत देने की कोशिश की गई. आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर इन मासूम पक्षियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इस पहल ने हमें एहसास दिलाया कि प्रकृति के साथ अपने रिश्ते को बचाए रखना ही सच्ची इंसानियत है. इसी भावना से प्रेरित होकर, दुर्गा चौक गणेश मंडल पूरे साल कई तरह की सामाजिक और पर्यावरणपुरक पहल करता है. इस छोटी सी कोशिश के जरिए, मंडल ने समाज के सभी लोगों से अपने परिसर में पक्षियों के लिए पानी के बर्तन और दाना रखने की विनंती की. इस पहल के माध्यम से यह मैसेज दिया गया कि प्रकृति का संरक्षण ही असली सेवा है.

काले रंग के चीतल को देख पर्यटक हुए विस्मित, उमरेड-करहांडला अभयारण्य में बढ़ी रुचि

भंडारा-उमरेड-पवनी-करहांडला वन्यजीव अभयारण्य में इन दिनों वन्यजीव प्रेमियों के लिए खास आकर्षण देखने को मिल रहा है. एक ओर जहां हाल ही में बाघिन अपने शावकों के साथ पर्यटकों को रोमांचित कर रही है, वहीं अब एक बेहद दुर्लभ कृष्णवर्णीय चीतल (मेलानिस्टिक डियर) के दर्शन ने उत्सुकता और बढ़ा दी है.

जानकारी के अनुसार, पवनी गेट सफारी के दौरान जंगल क्षेत्र में इस दुर्लभ चीतल को देखा गया. इस अनोखे दृश्य को पर्यटन मार्गदर्शक दिनेश डहारे ने अपने कैमरे में कैद किया. सामान्यत: चीतल भूरे रंग के होते हैं जिन पर सफेद धब्बे होते हैं, लेकिन इस चीतल का रंग गहरा काला दिखाई दिया, जो पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया.

वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, इस चीतल में मेलानिज्म नामक दुर्लभआनुवंशिक अवस्था पाई जाती है. इस स्थिति में शरीर में मेलानिन रंगद्रव्य की मात्रा अधिक होने के कारण जानवर का रंग सामान्य से अधिक गहरा या लगभग काला दिखाई देता है. प्राकृतिक वातावरण में चीतलों में इस प्रकार का रंग परिवर्तन अत्यंत दुर्लभ माना जाता है.

व्यस्त बाजार में रोज बन रही दुर्घटना की स्थिति गोरेलाल चौक के गड्ढे बन रहे हादसों की वजह

गोंदिया-गोंदिया शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र में स्थित गोरेलाल चौक परिसर में पिछले कई माह से सड़क के दोनों किनारों पर बने गड्ढे मुसीबत का सबब बन गए है। पहले से ही मुख्य बाजार चौक परिसर की सड़कें काफी संकरी है। ऐसे में यहां दिन-रात व्यस्त यातायात रहता है। सड़क किनारे दोनों ओर मोड़ पर बने गड्डों के कारण यहां आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित होती रहती है। लेकिन प्रशासन ने इसके रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए है, बल्कि मूकदर्शक बना है। गौरतलब है है कि गोरेलाल चौक से एक मार्ग दुर्गा चौक, दूसरा स्टेडियम की ओर, तीसरा गांधी प्रतिमा एवं चौथा श्री टॉकीज चौक की ओर जाता है। मुख्य बाजार क्षेत्र होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों का आवागमन लगा रहता है। कई बार इस चौक पर एक भी चौपहिया वाहन गुजरने पर जाम जैसी स्थिति निर्माण हो जाती है। ऐसे में चौक पर गांधी प्रतिमा की ओर जाने वाले मार्ग पर एक तथा दुर्गा चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर दूसरा गड्डा बन गया है। ऐसे में एन टर्निंग प्वाइंट पर ही दोनों ओर गड्ढे होने से दोपहिया वाहन चालकों काफी सतर्कता से वाहन चलाने पड़ते है। यहां इन गड्डों के कारण नजर हटी दुर्घटना घटी जैसी स्थिति निर्माण हो गई है। नागरिकों की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को टालने के लिए प्रशासन द्वारा इन गड्डों को तत्काल बुझाना आवश्यक है। नगर परिषद प्रशासन इस ओर उदासीन क्यो बना हुआ है, यह समझ से परे है। नागरिकों ने जल्द से जल्द इन गड्डों को बुझाए जाने की मांग की है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस पर कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है।

मवेशियों को बूचड़खाने ले जाने से बचाया गया नाकानिंबा से बाकलसर्रा परिसर के खेत में मारा छापा

गोंदिया-सालेकसा पुलिस ने छापा मारकर बूचड़खाने ले जाने के लिए निर्दयतापूर्वक बांधकर रखे मवेशियों को बचाया. यह कार्रवाई नाकानिंबा से बाकलसर्रा मार्ग परिसर के खेत में की गई और कुल आठ मवेशियों को बचाया गया. सालेकसा पुलिस को जानकारी मिली थी कि मवेशियों को बूचड़खाने ले जाने के लिए निर्दयतापूर्वक बांधकर रखा गया है. जानकारी के आधार पर, सिपाही विकास वेदक ने अपने साथी के साथ नाकनिंबा से वकालसर्रा रोड पर स्थित खेत में छापा मारा. इस दौरान बाड़ में रस्सियों से कसकर बंधे हुए कुल आठ जानवर मिले. यह भी देखा गया कि इन जानवरों के लिए चारे और पानी का कोई इंतजाम नहीं था. मवेशियों की डाक्टरों द्वारा जांच कर उन्हें गौशाला में भेज दिया गया. पता चला है कि वह मवेशियों नाकानिंबा निवासी राधेश्याम सोमाजी भगत (56) की थी. जिसके तहत उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया.

केरोसिन वितरण का हॉकर्स ने किया विरोध 20 हजार मानधन पर वितरित करेंगे केरोसिन

गोंदिया-अमेरिका-इजराइल व ईरान में चल रहे युद्ध से एलपीजी की किल्लत निर्माण होने लगी है. जिसे देखते हुए शासन ने अब लाभार्थियों को राशन कार्ड पर केरोसिन देने का निर्णय लेकर केरोसिन हॉकर्स, रिटेलर्स के माध्यमों से केरोसिन वितरित करने का पत्र भी जारी कर दिया है. लेकिन इस आदेश का जिले के केरोसिन, हॉकर्स व रिटेलर्स ने विरोध करते हुए मांग की है कि, विक्रेताओं को प्रतिमाह 20 हजार रु. मानधन देने, दीर्घकालीन केरोसिन वितरित करने कमीशन में बढ़ोत्तरी की जाए. यदि उपरोक्त मांगे पूरी नहीं की गई तो शासन के खिलाफ आंदोलनकर न्यायालय में जनहित याचिका प्रस्तुत की जाएगी. ज्ञापन भी केरोसिन, हॉकर्स, रिटेलर्स फेडरेशन गोंदिया की ओर से जिलाधीश, तहसीलदार के माध्यम से केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री, मुख्यमंत्री व अन्न आपूर्ति मंत्री महाराष्ट्र शासन के नाम प्रेषित किया गया है. शासन ने 8 वर्ष पूर्व से केरोसिन वितरण की योजना बंद कर दी थी. हजारों विक्रेता बेरोजगार हो गए थे. कई बार शासन से मांग कर केरोसिन वितरित करने की विनंती की गई थी, लेकिन मांग मंजूर नहीं हुई.

शासन के खिलाफ करेंगे आंदोलन

केरोसिन वितरण बंद होने से विक्रेताओं के केरोसिन वाहन भंगार हो गए हैं और अब फिर से केरोसिन वितरित करने का निर्णय विक्रेताओं के माध्यम से लिया गया है. जिसे देखते हुए मांग की गई कि, विक्रेताओं को 20 हजार रु. प्रतिमाह मानधन दिया जाए, केरोसिन दीर्घकालीन वितरित कराने के लिए शासन आदेश में सुधार किया जाए व कमीशन में बढ़ोत्तरी की जाए आदि मांगों का समावेश है. फेडरेशन के अध्यक्ष द्वारका धपाड़े ने बताया कि मांगें मंजूर नहीं की गई तो शासन के खिलाफ जनहित याचिका दर्ज कर आंदोलन किया जाएगा.

पीड़ित परिवार को मदद दिलाने का आश्वासन तहसीलदार ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

अर्जुनी मोरगांव-जिले के अर्जुनी मोरगांव की 19 वर्षीय पायल वामन शहारे की 30 मार्च को नहर में बहने से हुई मृत्यु हो गई थी. इस घटना के बाद तहसीलदार अनिरुद्ध कांबले ने शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका सांत्वन किया तथा सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिलाया जाएगा, ऐसा आश्वासन दिया. साथ ही नहर पर महिलाओं के लिए कपड़े धोने के लिए घाट निर्माण का प्रस्ताव संबंधित विभाग को भेजने की बात कही. उल्लेखनीय है कि, कपड़े धोते समय पायल शहारे 30 मार्च को नहर में बह गई थी. उसका शव 31 मार्च को घटनास्थल के पास मिला था, जबकि पायल यह पुलिस विभाग में भर्ती होने की तैयारी कर रही थी और उसी दिन परीक्षा देने नागपुर जाने वाली थी. इस घटना से सर्वत्र शोकाकुल माहौल है.

जीवन को कृतज्ञता की ओर ले जाने का सरल मार्ग है श्रीरामकथा : पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

गोंदिया -दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आमगांव में आयोजित संगीतमय श्रीरामकथा ज्ञानयज्ञ में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने उपस्थित रहकर व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया. आमगांव में कथाकार विदुषी पद्महस्ता भारती की मधुरवाणी में रामायण का संगीतमय और सजीव चित्रण उपस्थित भक्तों के समक्ष प्रस्तुत किया गया. पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत संतों की भूमि रहा है और यहां हजारों वर्षों से कई संत महात्माओं ने जनता में भक्तिभाव को जागृत रखा है. भारतीय संस्कृति में रामकथा ज्ञानयज्ञ का अत्यंत महत्व है. यह परमात्मा से मिलने एवं जीवन को कृतज्ञता की ओर ले जाने का सरल मार्ग है. उन्होंने कहा कि दिव्य ज्योति परिवार द्वारा इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्रवासियों को सदमार्ग पर ले जाने का प्रयास सराहनीय है. उन्होंने कहा, पिछले पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल को

आशीर्वाद प्रदान करते स्वामी चिदानंद महाराज.

वर्षों में गोंदिया में कई संतों को आमंत्रित कर श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण का लाभ जनता को पहुंचाया गया. अग्रवाल ने कहा कि आगामी जनवरी 2027 में पं. प्रदीप मिश्रा को आमंत्रित कर भव्य शिव महापुराण आयोजन का लक्ष्य है. सभी के सहयोग और परमेश्वर के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम सफल होगा. इस अवसर पर दिव्य ज्योति परिवार के स्वामी चिदानंद महाराज ने गोपालदास अग्रवाल को शाल व श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया इस दौरान पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम कटरे, नरेश माहेश्वरी, कृउबास संचालक रविबाबू अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, जिला सहकारी बैंक के संचालक विजेंद्र कटरे, घनश्याम अग्रवाल, महेश उके, लाला व्यास, अर्जुन नागपुरे, ठाकुर दिलीपसिंह (ग्रह बैस) उपस्थित थे.

कुपोषण की दर कम करने के लिए बच्चों के पोषण आहार पर विशेष ध्यान दें- डॉ. दीपक सावंत

बुलंद गोंदिया। जिले में कुपोषण की दर कम करने के लिए बच्चों के पोषण आहार तथा बालिकाओं के रक्त में हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश राज्य टास्क फोर्स कुपोषण उन्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दीपक सावंत ने दिए। जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में कुपोषण उन्मूलन

एवं संक्रामक रोग नियंत्रण संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें वे बोल रहे थे। इस अवसर पर निवासी उपजिल्हाधिकारी भैय्यासाहेब बेहेरे, प्रभारी जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रमिला जाखलेकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. पुरुषोत्तम पटले, आदिवासी विकास परियोजना अधिकारी उमेश काशिद, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) किर्तीकुमार कटरे, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) सुधीर महामुनी, शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) विशाल डोंगरे तथा शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ. विनायक रुखमोडे उपस्थित थे। डॉ. सावंत ने कहा कि जिले की सभी अनुदानित एवं गैर-अनुदानित आश्रमशालाओं में पढ़ने वाली प्रत्येक बालिका के रक्त में हीमोग्लोबिन की जांच हर तीन महीने में अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। ग्राम स्तर पर कार्यरत आशा, आंगनवाड़ी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं की घर-घर जाकर विशेष निगरानी करनी चाहिए। साथ ही आंगनवाड़ी में बच्चों के वजन और ऊंचाई में वृद्धि के लिए पोषण आहार पर विशेष जोर दिया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास, शिक्षा तथा पंचायत विभाग को जनभागीदारी के साथ मिलकर कार्य करना होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्र के एसएएम एवं एमएएम श्रेणी के बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें उपचार के लिए निकटतम पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक बच्चे का कम से कम तीन बार वजन लेकर उसकी श्रेणी निर्धारित की जाए तथा बच्चों को उनकी पसंद के अनुसार पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए। माता एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इसके लिए लोगों में प्राथमिक रोकथाम उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जाना चाहिए।

बैठक में प्रस्तावना एवं प्रस्तुतीकरण जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तृप्ती कटरे, सहायक संचालक (कुष्ठरोग) डॉ. महेंद्र धनविजय, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. विनोद चव्हाण, जिला महामारी अधिकारी डॉ. निरंजन अग्रवाल, गोंदिया तालुका स्वास्थ्य अधिकारी निलेश जाधव, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. लीना धांडे एवं डॉ. सचिन उइके, वैद्यकीय अधिष्ठाता डॉ. निकिता पोयाम, आईईसी विभाग के प्रशांत खरात सहित स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित थे।

52 ट्रेनों का अस्थाई रूप से बदला प्लेटफार्म
3 से छूटने वाली ट्रेन अब 1 व 2 से होंगी रवाना

बुलंद गोंदिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक का डिस्मेंटल कार्य शुरू होने के चलते 52 ट्रेनों के प्लेटफार्म में बदलाव किया गया तीन नंबर से छुटने वाली ट्रेने अब कुछ दिनों तक प्लेटफार्म क्रमांक 1 व 2 से रवाना होंगी। गौरतलब है की दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 3 का डिस्मेंटल (सुधार कार्य) शुरू होने के कारण रेलवे प्रशासन द्वारा 52 ट्रेनों का अस्थाई रूप से प्लेटफार्म में बदलाव किया गया है। जिसमें प्लेटफार्म क्रमांक 3 से संचालित होने वाली ट्रेन जो बिलासपुर से नागपुर की ओर जाती है वे अब प्लेटफार्म क्रमांक 1 व 2 से रवाना होंगी , इन परिवर्तित ट्रेनों में अधिकांश ट्रेन प्लेटफार्म क्रमांक 2 से तथा कुछ ट्रेन है प्लेटफार्म क्रमांक 1 से संचालित होगी यह व्यवस्था ट्रेन के सुरक्षित व सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने हेतु लागू की गई है। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों

से अपील किया गया है कि स्टेशन पर पहुंचने के पश्चात उद्घोषणा प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड व रेलवे कर्मचारियों द्वारा दी जा रही जानकारी पर ध्यान देते हुए उसी के अनुसार प्लेटफार्म का चयन करें। 1 व 2 से संचालित होने वाली ट्रेन सुचारू जिन ट्रेनों का पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्लेटफार्म क्रमांक 1 व 2 से संचालित होती है उसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है वह अपने तय शेड्यूल के अनुसार ही चलेंगी तथा रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों से सहयोग करने की अपेक्षा की गई है।

नौका विहार का मिलेगा आनंद

गोंदिया- अर्जुनी मोरगांव तहसील के नवेगांवबांध में राष्ट्रीय उद्यान के जलाशय में नौका विहार (बोटिंग) सुविधा का भव्य शुभारंभ पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल के हाथों, विधायक राजकुमार बडोले और पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की प्रमुख उपस्थिति में हुआ. यह बोटिंग सुविधा गोंदिया जिले में पहली बार एस. के. इंफ्रा, गोंदिया द्वारा शुरू की गई है,

और यह आकर्षक सुविधा जिले के लोगों के साथ-साथ इलाके के पर्यटन प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए उपलब्ध कराई गई है. इस सुविधा से जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोग नवेगांवबांध की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकेंगे और बोटिंग कर सकेंगे. पटेल ने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट से रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा और कई युवाओं को रोजगार के मौके मिलेंगे. इस अवसर पर राजेंद्र जैन, राजकुमार बडोले, लायकराम भेंडारकर, देवेंद्रनाथ चौबे, चंद्रपाल चौकसे, आम्रपाली डोंगरवार, रचना गहाने, गंगाधर परशुरामकर, अविनाश काशीवार, केवलराम पुस्तोड़े समेत बड़ी संख्या में नागरिक और पर्यटन प्रेमी उपस्थित थे.

ताला तोड़कर दुकान में चोरी करने का प्रयास

गोंदिया-डुग्गीपार थाने के तहत ग्राम राका/पलसगांव में स्थित एक दुकान का ताला तोड़कर एक व्यक्ति ने चोरी का प्रयास किया. इसी दौरान ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया व पुलिस को सौंप दिया. जानकारी के अनुसार, राका/पलसगांव निवासी फिर्यादी आनंदराव आत्माराम मेंढ़े (49) अपनी दुकान खोलने के लिए गया था. इसी दौरान उसे वहां एक व्यक्ति दिखाई दिया. उसकी पूछताछ करने पर उसने कुछ नहीं बताया व मंदिर की ओर जाने लगा. फिर्यादी की दुकान नजर जाने से उसे दरवाजे का एक ताला टूटा हुआ दिखाई दिया. जिससे उसने चोर-चोर कहते हुए शोर मचाया. इस बीच ग्रामवासियों ने उसे पकड़ लिया व पुलिस को फोन कर उनके हवाले कर दिया गया. आरोपी के थैले में टूटा हुआ ताला, एक टॉर्च, दो लोहे की रॉड, एक लोहे की पट्टी, आरी व हथोड़ी ऐसा सामान मिला. फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने बाम्हणी/खड़की निवासी आरोपी विनोद उर्फ मोरेश्वर हरिशचंद राऊत (43) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार कोटांगले कर रहे हैं

जिलाधीश डॉ. मंगेश गोंदावाले ने संभाला पदभार
समस्याओं के जल्द समाधान को देंगे पहली प्राथमिकता

गोंदिया-जिलाधीश के तौर पर लोगों की समस्याओं को हल करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी. ऐसा प्रतिपादन नवनियुक्त जिलाधीश डॉ. मंगेश गोंदावले ने गोंदिया जिले के जिलाधीश का पदभार संभालने के पश्चात एक चर्चा के दौरान किया. डॉ. गोंदावले वर्ष 2015 बैच के भारतीय प्रशासकीय सेवा के अधिकारी है. इससे पहले वे महाराष्ट्र कृषि औद्योगिक विकास महामंडल के व्यवस्थापकीय संचालक पद पर कार्यरत थे. वे सातारा जिले के निवासी हैं, उन्होंने इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स विषय में Ph.D. की है. यह उनका विदर्भ में पहली बार काम करने का मौका है. उन्होंने कहा कि जिले के लोगों की समस्याओं को हल करना उनकी प्राथमिकता होगी. प्रशासन यह जनाभिमुखी होना चहिए,

प्रशासन में करते समय उसके नतीजे सीधे दिखने चाहिए, उन्होंने कहा कि जिले के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर सकारात्मक तरीके से काम करने की जरूरत है. जीवन सुधार के लिए आर्थिक उन्नति जरूरी गोंदिया जिला धान उत्पादक वाला जिला है. इसलिए आने वाले समय में जिले में धान, बांस और महुआ फूल को प्राथमिकता देकर बांस से बने वस्तुओं पर खास जोर देने की कोशिश की जाएगी. उन्होंने इस मौके पर कहा कि अगर लोगों का जीवन स्तर सुधारना है तो आर्थिक उन्नति करना आवश्यक है.

झांसा देने वाला आरोपी गिरफ्तार, सोने के आभूषण बरामद
नौकरी के नाम पर 1.27 लाख की ठगी

गोरेगांव-गोरेगांव थाना क्षेत्र में हुई ठगी के एक गंभीर मामले का खुलासा करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर फिर्यादी और उसके मित्र से 1 लाख 27 हजार रु. के सोने के आभूषण ठगकर फरार

हुए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके कब्जे से पूरा माल बरामद किया गया है. जानकारी के अनुसार, 24 मार्च को गोरेगांव थाने में मामला दर्ज किया गया था. शिकायत अनुसार, अज्ञात आरोपी ने शिकायत कर्ता और उसके मित्र से संपर्क कर पुलिस विभाग में नौकरी लगवाने का लालच दिया. इसके बाद आरोपी ने दोनों से 1.27 लाख रु. के सोने के आभूषण लिए और कुछ ही दिनों में नौकरी लगने का आश्वासन देकर फरार हो गया. ठगी का अहसास होने पर फिर्यादी ने थाने में शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की. इस मामले में भंडारा जिले के साकोली तहसील के तहत किन्ही-मोखे निवासी आरोपी विलास नारायण गणवीर (60) को ग्राम परसोड़ी से गिरफ्तार किया गया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उसके पास से 1.27 लाख रु. के सोने के आभूषण बरामद किए गए. मामले की आगे जांच जारी है और आरोपी से अन्य मामलों का खुलासा होने की भी संभावना है.

पुलिस ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, उप पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के मार्गदर्शन में की गई. उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे तथा पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत काले के नेतृत्व में जांच टीम ने यह सफलता हासिल की. पुलिस ने ऐसे ठगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है. साथ ही नागरिकों से अपील की है कि नौकरी दिलाने जैसे झांसे में न आएं और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें.

जिले के लिए मांगे थे 500 करोड़, मिले सिर्फ 17 करोड़, विकास कार्यों पर असर
निधि की कमी से गोंदिया में शासकीय काम बंद

गोंदिया-जिले में शासकीय ठेकेदारों ने निधि की भारी कमी के विरोध में काम बंद करने का निर्णय लिया है. इस संबंध में आयोजित ठेकेदारों की सभा में अध्यक्ष बॉबी वालिया ने सरकार के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि जिले के लिए लगभग 500 करोड़ रुपए

की मांग की गई थी, लेकिन सिर्फ 17 करोड़ रुपए की निधि ही प्राप्त हुई है. उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में सरकार द्वारा 5 से 15 प्रतिशत तक निधि का वितरण किया जाता रहा है, जबकि इस बार मार्च माह में 50 से 60 प्रतिशत निधि मिलने की उम्मीद थी. अपेक्षा के विपरीत अत्यंत कम निधि मिलने से जिले के ठेकेदारों में नाराजी देखी जा रही है और विकास कार्यों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है. सभा में सार्वजनिक लोकनिर्माण विभाग, जलजीवन मिशन योजना, ग्राम विकास, नगर विकास, जलसंपदा विभाग समेत विभिन्न विभागों में हजारों करोड़ रुपए की बकाया देनदारियों पर भी चर्चा की गई. ठेकेदारों ने सरकार से लंबित भुगतान जल्द करने और पर्याप्त निधि उपलब्ध कराने की मांग की हैं. ठेकेदारों ने निर्णय लिया कि संबंधित अधिकारियों एवं विभाग प्रमुखों को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा. इसके बावजूद समाधान नहीं होने पर मंत्रालय स्तर पर ज्ञापन सौंपेंगे, चेताते हुए कहा कु आवश्यकता अनुसार सड़क पर उतरकर आंदोलन भी किया जाएगा.

इस अवसर पर ठेकेदार संघ के अध्यक्ष बॉबी वालिया, महासचिव विजय अग्रवाल, डी. बोपचे, सुधीर मानकर, अनिल रहांगडाले, रविकांत भरणे, विनोद कुमार चांदेवार, सतबीर सिंह भाटिया, कोमल कटरे, प्रणव रावत, फत्तेसिंह चव्हाण, आनंद ठाकुर, बंटी ठाकुर, अभिषेक जैन, कोमल कछवाहे, भारद्वाज, अजय टॉक, अजय सेंगर, प्रशांत सिंह चव्हाण, दिनेश कोडवाणी, सुनील धमगये, अर्पित पांडेय, धीरज जेठानी, प्रशांत ठवकर, राठी, विमल असाटी, विष्णु मनुजा समेत बड़ी संख्या में ठेकेदार उपस्थित थे. इस निर्णय से जिले के विभिन्न शासकीय विकास कार्यों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है.

जिले के 500 दिव्यांग छात्रों को मिलेगा लाभ दिव्यांगों की छात्रवृति पांच गुना बढ़ी

गोंदिया-राज्य सरकार ने दिव्यांग की छात्रवृत्ति को पांच गुना बढ़ाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है. इन विद्यार्थियों की पढ़ाई में बल देने के लिए, राज्य मंत्रिमंडल ने पिछले 16 वर्षों से लंबित छात्रवृत्ति बढ़ाने के मुद्दे को सुलझा लिया है. इसके साथ ही, सरकार ने दिव्यांग छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि को सीधे पांच गुना बढ़ा दिया है. दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे ने यह अहम फैसला लिया है. इस फैसले से राज्य के करीब 92 हजार 581 दिव्यांग छात्रों को फायदा होगा.

दिव्यांगों के अधिकार कानून, 2016 के नियमों के अनुसार, अब सभी 21 तरह की दिव्यांगता वाले छात्रों को बदली हुई दरों पर छात्रवृत्ति दी जाएगी. पहले यह राशि सिर्फ 100 रु. से 200 रु. के बीच थी. नेत्रहीन छात्रों के लिए 150 रु. प्रति माह पढ़ाई भत्ता नेत्रहीन छात्रों को हर महीने 150 रु. पढ़ाई भत्ता व शैक्षणिक दौरे के लिए हर साल 1,500 रु. तक की आर्थिक मदद दी जाएगी. इस फैसले से सरकारी खजाने पर हर साल 23 करोड़ 11 लाख रु. का अतरिक्त बोझ पड़ेगा.

यात्रा महोत्सव में की सुख-समृद्धि की प्रार्थना
डाकराम-सुकड़ी राजमठ में जैन ने टेका माथा

गोंदिया-जिले के डाकराम-सुकड़ी राजमठ मंदिर में भव्य यात्रा महोत्सव के अवसर पर कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसे सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी के पावन स्पर्श से पवित्र किया.

इसके तहत धर्म सभा और भजन संध्या का कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ किया गया. इस कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हाथों हुआ अध्यक्षता कविश्वर कुलाचार्य कारंजेकर बाबा ने की. इस अवसर पर उपस्थितों का मार्गदर्शन करते हुए अतिथियों ने कहा कि सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी के चरणों के स्पर्श से इस भूमि को विशेष पवित्रता मिली है और श्री क्षेत्र डाकराम-सुकड़ी अपनी अनोखी परंपराओं और चमत्कारों के लिए मशहूर है. पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने श्री प्रभु के चरणों में माथा टेका और सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और दुखों के दूर होने की प्रार्थना की. कार्यक्रम में के. आर. शेंडे, प्रेमकुमार रहांगडाले, सुरेश हर्षे, जगदीश बावनथड़े, रजनी कुंभरे, सुनील मेश्राम, विजय बिंझाडे आनंदराव गजभिये, चेतना बावनथड़े आदि के साथ ही महानुभाव पंथ के अनुयायी व श्रध्दालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

नवनिर्मित इमारत का किया लोकार्पण

इसी दौरान जिप हाईस्कूल और जूनियर कॉलेज, सुकड़ी/डाकराम में समग्र शिक्षा योजना के तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल की पहल व जिप सदस्य जगदीश बावनथड़े के प्रयासों से बनाई गई नवनिर्मित इमारत का लोकार्पण भी पूर्व विधायक जैन के हाथों संपन्न हुआ.

आदिवासी बहुल आश्रम स्कूलों में विशेष मार्गदर्शन
महाअंनिस का जागरूकता अभियान

गोंदिया-शासन के आदिवासी प्रकल्प आयुक्तालय के निर्देशानुसार महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (महाअंनिस), नागपुर द्वारा गोंदिया जिले के देवरी प्रकल्प अंतर्गत आदिवासी बहुल आश्रम स्कूलों में विशेष मार्गदर्शन अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और अंधश्रद्धा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है. राज्य कार्यकारिणी सदस्य रामभाऊ डोंगरे के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के तहत मजितपुर, नवेगांव (धापे), मेंढा, कोयलारी, काटी, कामठा, कवलेवाडा, ठाणा, जमाकुड़ो, सालेकसा, पिपरिया, बीजेपार, पुराडा, मकड़धोकड़ा, शेरेपार, बोरगांव सहित कुल 33 आश्रम स्कूलों का दौरा किया गया. इस दौरान विद्यार्थियों को अंधश्रद्धा क्या है, उसका निर्मूलन कैसे किया जा सकता है, जादूटोना विरोधी कानून, तथाकथित चमत्कारों के पीछे के वैज्ञानिक कारण तथा बुवाबाजी के खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. सभी स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने इस अभियान को उत्साहपूर्वक प्रतिसाद दिया. अभियान का मुख्य आकर्षण महाअंनिस के सातारा मुख्यालय से आया विशेष रथ रहा, जिस पर जादूटोना विरोधी संदेश और बाबागिरी के दुष्परिणाम दर्शाए गए हैं. इसी रथ के माध्यम से टीम विभिन्न आश्रम स्कूलों तक पहुंचकर जनजागरण कर रही है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।